भारत सरकार
संचार मंत्रालय
दूरसंचार विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 2535
उत्तर देने की तारीख 11 दिसम्बर, 2024

पंजाब में भारतनेट परियोजना

2535. श्री अमरिंदर सिंह राजा वारिंग:

क्या **संचार** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) पंजाब में भारतनेट परियोजनाओं के कार्यान्वयन की वर्तमान स्थिति क्या है, तथा हाई स्पीड इंटरनेट और ऑप्टिकल फाइबर से जुड़ी ग्राम पंचायतों की संख्या कितनी है, तथा इससे वंचित पंचायतों और गांवों की संख्या का ब्यौरा क्या है;
(ख) भारतनेट परियोजनाओं की शुरूआत से लेकर अब तक इसके लिए आवंटित और उपयोग की गई धनराशि का ब्यौरा क्या है;
(ग) पंजाब के ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में भारतनेट कनेक्टिविटी बढ़ाने में क्या चुनौतियां हैं और उनके समाधान के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं; और
(घ) सरकार पंजाब में भारतनेट परियोजनाओं के तहत प्रदान की जाने वाली इंटरनेट सेवाओं की गुणवत्ता और विश्वसनीयता की निगरानी किस प्रकार करती है?

उत्तर
संचार एवं ग्रामीण विकास राज्य मंत्री
(डॉ. पेम्मासानी चंद्र शेखर)

(क) पंजाब सहित देश की सभी ग्राम पंचायतों (जीपी) को ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी प्रदान करने के लिए भारतनेट परियोजना चरणबद्ध तरीके से कार्यान्वित की जा रही है। अब तक पंजाब में कुल 13,337 ग्राम पंचायतों में से 12,668 ग्राम पंचायतों को सेवा के लिए तैयार कर दिया गया है।

(ख) पंजाब में दिनांक 30.09.2024 तक की स्थिति के अनुसार भारतनेट परियोजना के तहत कुल 1422.98 करोड़ रुपये की राशि का उपयोग किया जा चुका है।

(ग) ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में दुर्गम भू-भाग, मार्गाधिकार (आरओडब्ल्यू) की अनुमति प्राप्त करने में कठिनाई, और स्थिर बिजली आपूर्ति की अनुपलब्धता पंजाब सहित देश में ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में भारतनेट कनेक्टिविटी का विस्तार करने में आने वाली मुख्य चुनौतियां हैं। तथापि, राज्य में चरण-I और चरण-II के कार्यक्षेत्र में कार्य पहले ही पूरा हो चुका है।

(घ) भारतनेट नेटवर्क का प्रचालन और अनुरक्षण सेवा स्तरीय करार (एसएलए) आधारित संविदाओं के आधार पर पेशेवर एजेंसियों के माध्यम से भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) द्वारा किया जाता है। भारतनेट नेटवर्क की निगरानी केंद्रीकृत नेटवर्क ऑपरेटिंग सेंटर (एनओसी) के माध्यम से की जाती है और इसकी रिपोर्टों की नियमित आधार पर निगरानी की जा रही है।

*****